ज्ञान विचार
शिक्षा स्वर्ग का द्वार खोलता है, स्वयं को जानने का अवसर देता है। सावित्रीबाई फुले

गजब हरियाणा के पांचवें स्थापना दिवस पर विशेषांक

P.K.L. No. HR/KKR/184/2022-24

सच्ची व सटीक खबर-आप तक

गजब हरियाणा

हिन्दी राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र

सम्पादक : जरनैल सिंह

छाया : राजरानी

www.gajabharyana.com ♦वर्ष :06 ♦अंक : 07 ♦01 जुलाई 2023 ♦पेज-4 ♦ मूल्य : 7 रुपए 150/- रुपए सालाना Email : gajabharynamews@gmail.com

गजब हरियाणा समाचार पत्र ने सफलता पूर्वक पूरे किए पांच वर्ष

हर्षोल्लास के साथ मनाया पांचवां स्थापना दिवस, गजब हरियाणा जल्दी ही बनेगा दैनिक समाचार पत्र

गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा के परिवार पिता श्री नन्हा राम,माता श्रीमति रामप्यारी पूर्व चेयरपर्सन(ब्लॉक समिति थानेसर), पत्नी राजरानी, दोनों बेटियों साक्षी व सृष्टि को समाचार पत्र के पांचवें स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए मुख्यातिथि एन.आर फुले (डिप्टी कमिश्नर जी.एस.टी), डॉ आर.आर फुलिया पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार(आईएएस) श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ जी महाराज (गद्दीनशीन, निराकारी जागृति मिशन, खतौली,अम्बाला,भारत), निर्मला चौधरी (चेयरमैन, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, सुनीता बंगोत्रा (संस्थापक, माता सावित्री बाई फुले मॉडर्न स्कूल जम्मू), एडवोकेट सुमन फुले।

निष्पक्ष तरीके से कार्य कर रहा गजब हरियाणा समाचार पत्र : एन.आर. फूले

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। आबकारी एवं कराधान विभाग के डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी) एन.आर फुले ने कहा कि गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांच वर्ष सफलतापूर्वक पूरे होने पर बधाई देते हैं और कामना करते हैं कि यह पाक्षिक समाचार पत्र जल्द ही दैनिक समाचार के रूप में परिवर्तित हो पूरे देश में छा जाए। ये समाचार पत्र पूर्ण रूप से निष्पक्ष तरीके से कार्य कर रहा है। फुले 11 जून को कुरुक्षेत्र में आयोजित गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांच वर्ष पूरे होने पर आयोजित स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

एन.आर. फूले ने कहा कि आजकल अनेक समाचार पत्रों में समाज के मुद्दों का को कम उठाया जाता है, लेकिन गजब हरियाणा समाचार पत्र में भेदभाव को पूर्ण रूप से नकारते हुए स्वतंत्र रूप से कार्य किया जा रहा है। गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादकीय पेज में लिखा गया है कि बड़े दुर्भाग्य की बात है कि समाज में लोगों की पहचान जाति, वंश के आधार पर की जाती है। यह स्थिति तब है जब भारत विश्व गुरु बनने की तैयारी में है। पशुओं की अपनी अलग ही पहचान है। चाहे वह गाय हो, काली हो, भूरी हो, दूध देती हो या ना देती हो, उसको देश के अंदर माता का दर्जा प्राप्त है लेकिन हमारे देश में इस तरह का भेदभाव लोगों के साथ किया जाता है, स्वर्ण जाति के लोग हमारी जाति की कुक के हाथ का खाना खाने से इंकार करते हैं। कोई बच्चा पीने के पानी के घड़े को हाथ लगा देता है तो उसका बुरा हाल कर दिया जाता है। इसके कारण क्या है? सोचने की बात है कि आजादी के 75 साल बाद भी हम उस समाज व देश को नहीं बना सके, जिसकी हमने कल्पना की थी। समाज में लगातार भेदभाव को खत्म करने के प्रयास किए जाते हैं। आज हमारे समाज के लोगों के लिए बड़े-बड़े पद खाली पड़े हैं। यूनिवर्सिटी, न्यायालय या केंद्रीय सरकार के महत्वपूर्ण पद हो। समाज में देश में उस मानसिकता के साथ काम नहीं हुआ जिसके साथ होना चाहिए था।

समाज में इस समाचार पत्र के जरिए कुछ बदलाव संभव : डॉ. आर.आर फुलिया

हरियाणा सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव रहे एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ आर.आर फुलिया ने कहा कि गजब हरियाणा समाचार पत्र आज बहुत लंबे संघर्ष के बाद इस मुकाम तक पहुंचा है। अपने 5 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए हैं इसे और आगे ले जाने के लिए लोगों के साथ सहयोग की आवश्यकता है और हमें इस समाचार पत्र का साथ सहयोग देना चाहिए क्योंकि यह हमारा फर्ज है समाचार पत्र के माध्यम से ही हमारी या जनता की आवाज सरकार तक पहुंच रही है हमारे समाज वह संगठन से निकल कर आया है और समाज के लिए कार्य कर रहा है। समाज में इस समाचार पत्र के जरिए कुछ बदलाव संभव है हमें इस का साथ देना चाहिए।

आज हम डॉ. अंबेडकर के एक सपने को पूरा होते देख रहे : स्वामी ज्ञाननाथ महाराज

एडवोकेट गद्दीनशीन निराकारी जागृति मिशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संत सुरक्षा मिशन ने कहा कि गजब हरियाणा समाचार पत्र का नाम भी गजब और काम भी गजब है। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। डॉ बाबासाहेब अंबेडकर ने सपना लिया था कि जब तक समाज का अपना मीडिया नहीं होगा, तब तक मेरा सपना साकार नहीं होगा। बाबा साहब और हमारे महापुरूषों ने जो सपना देखा था, आज हम उस सपने को पूरा होते हुए देख रहे हैं। हमारी आवाज, सरकार व लोगों के पास मीडिया के माध्यम से पहुंचती है। चाहे प्रिंट मीडिया हो, चाहे डिजिटल मीडिया। आज अगर भारत के लोग चैन से सांस ले रहे हैं, तो उसका श्रेय चाहे किसी भी क्षेत्र में हो डॉक्टर अंबेडकर को जाता है। बाबा साहब ने शिक्षित, संगठित व संघर्ष करने की बात कही। शिक्षा ही शेरनी का दूध है जो पिएगा दहाड़ेगा। लेकिन शिक्षा के साथ हमारे जीवन में आध्यात्म भी बहुत जरुरी है। बाबा साहब ने 32 डिग्रियां ली,लेकिन बाद में बौद्ध धर्म के रूप में अध्यात्म में भी जाना जरुरी समझा। समाज में नारी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। नारी के बिना किसी भी समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। बड़े-बड़े विद्वानों, महापुरुषों को नारी ने ही जन्म दिया है। वेदों, पुराणों, उपनिषदों में कहा गया है, जहां नारी का सम्मान होता है वह घर स्वर्ग होता है।

हरियाणा रत्न सम्मान 2023

डॉ. राजरूप फूलिया, सेवानिवृत अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार एंव आईएएस

हरियाणा गौरव सम्मान 2023

डॉ. एनआर फूले, डिप्टी कमीश्नर जीएसटी

सतगुरु कबीर साहेब सम्मान 2023

श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ जी महाराज

पत्रकार प्रेरणा सम्मान 2023

डॉ. नरेन्द्र सिंह
जिला सूचना एंव भाषा जनसंपर्क अधिकारी, कुरूक्षेत्र

सामाजिक उत्कृष्टता सम्मान 2023

सुभाष चन्द
डीएसपी मुख्यालय कुरूक्षेत्र

वीरांगना झलकारी बाई सम्मान 2023

डॉ. निर्मला चौधरी
चेयरमैन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, केयूके

डॉ. बीआर अंबेडकर सामाजिक क्रांति सम्मान 2023

एडवोकेट रजत कलसन, संयोजक नेशनल अलाइंस एंड दलित ह्यूमन राइटस

माता सावित्री बाई फूले सम्मान 2023

सुनीता बंगोत्रा, संस्थापक माता सावित्री बाई मॉडर्न स्कूल जम्मू

हरियाणा आदर्श पत्रकार सम्मान 2023

बाबू राम तुषार, अध्यक्ष मीडिया वेलफेयर क्लब कुरूक्षेत्र

संपादकीय

जीवन में सबक

जीवन में जब कभी कठिनाई आए, समस्याएं आएं, निराशा हो, उदासी हो, चिंता हो, परेशानी हो तो हमें किसी नई दिशा में, किसी नये तरीके से सोचना शुरू करना चाहिए। इसी तरह जब कभी हम अपनी उपलब्धियों पर, अपनी सफलता पर, अपनी कामयाबियों पर फूल कर कुप्पा हो रहे हों और खुद पर बहुत घमंड हो रहा हो तो अपने अहंकार पर काबू पाने के लिए हमें जीवन में छह विशिष्ट अनुभवों से गुजरना होगा। इन अनुभवों से गुजरने के लिए हमें अपने जीवन के छह दिन, छह अलग-अलग जगहों पर गुजारने की जरूरत है, और वे छह जगहें हैं, किंडरगार्टन स्कूल, किसान का खेत, सामान्य अस्पताल, मानसिक अस्पताल, जेल और एकांत। जब हम नन्हे बच्चों के किसी स्कूल में जाएं और अपना पूरा एक दिन स्कूल में गुजारें तो स्कूल के अध्यापकों को बच्चों को पढ़ाते हुए और उनके साथ विभिन्न खेल खेलते हुए देख सकेंगे। गौर से देखेंगे तो हम पायेंगे कि उन अध्यापकों में बहुत अधिक धैर्य है। वे बड़े धीरज से बच्चों की गलतियां और नासमझियां बर्दाश्त करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और उंगली पकड़कर सीधी राह पर चलना सिखाते हैं। यह सच है कि छोटे बच्चों को सिखाना बड़े जीवट और धीरज का काम है। तब हम अपने खुद के विकास पर गौर करें और विश्लेषण करें कि हम कहां से कहां तक आ पहुंचे हैं।

तब हम शायद ज्यादा जिम्मेदार और ज्यादा धैर्यवान हो जाएंगे। जीवन में अक्सर हमें बड़े और परिपक्व लोगों से भी ऐसा व्यवहार करने की आवश्यकता होती है, मानो वे छोटे बच्चे हों। हर हालत में धैर्य बनाये रखना हमारा पहला सबक है। हमारा एक पूरा दिन किसी किसान के साथ गुजरे तो हम देखेंगे कि वे खेत में किस तरह से मेहनत करते हैं। हल जोतना, बीज बोना, फसल को पानी लगाना, कीड़े-मकोड़ों, सुंडियों, पशुओं, खर-पतवार-नदीम आदि से बचाना, फसल को बीमारियों से बचाना, काटना, संभालना और बाजार तक ले जाना, बहुत मेहनत भरे काम हैं। जब हम इस मेहनत को करीब से देखेंगे तो हम अपने भोज्य पदार्थों और भोजन का आदर करना सीखेंगे, पेड़-पौधों का आदर करना सीखेंगे और पर्यावरण का आदर करना सीखेंगे। तब हमें अहसास होगा कि शान-ओ-शौकत वाले शहरों के साथ-साथ पेड़-पौधे और वन ही नहीं, वन्य जीवन भी हमारे ही जीवन की अनिवार्य आवश्यकताएं हैं।

प्रकृति द्वारा प्रदत्त भोजन शृंखला के जटिल चक्र में हम सब एक-दूसरे पर निर्भर हैं और इस संतुलन को बनाए रखने में ही हमारी भलाई है। भोजन और पर्यावरण का आदर करना हमारा दूसरा सबक है। एक पूरा दिन अस्पताल में गुजारने पर हम देखेंगे कि लोगों के जीवन में कितने कष्ट हैं, दुख हैं, बीमारियां हैं, और तब हम अपने जीवन की छोटी से छोटी खुशियों का भी महत्त्व समझ पायेंगे। अस्पताल में लोगों के कष्ट देखने पर हम समझ पायेंगे कि हम कितने भाग्यशाली हैं और तब हम अपने स्वास्थ्य का महत्त्व समझ पायेंगे और स्वस्थ जीवन की आदतें सीखने की ओर ज्यादा ध्यान देंगे। स्वास्थ्य का महत्त्व जानना और जीवन में स्वास्थ्यकर आदतें अपनाना हमारा तीसरा सबक है। हमारा एक पूरा दिन मानसिक रोगियों के अस्पताल में गुजरने पर हम महसूस करते हैं कि मानसिक विक्षिप्तता के क्या मायने हैं? मानसिक रोगी किस तरह से हमारी कोई गलती न होने पर भी हमारा अपमान करते हैं, फिर भी हम उन्हें कुछ नहीं कहते क्योंकि हम जानते हैं कि इसमें उनका कोई दोष नहीं है। हम जानते हैं कि मानसिक विक्षिप्तता की अवस्था में वे इसीलिए पहुंचे हैं क्योंकि उन्होंने अपनी कल्पना में अपनी एक अलग दुनिया रच ली है और वे असली दुनिया में नहीं, बल्कि उसी कल्पनालोक में जीते हैं। उनके व्यवहार से हम अपमानित महसूस नहीं करते।

मानसिक रोगियों के अस्पताल में एक दिन गुजारने के बाद शायद हम समझ पायेंगे कि जीवन में बहुत से लोगों ने भी अपने ज्ञान के झूठे अभिमान में अपनी ही दुनिया रच ली है और वे उस दुनिया से बाहर आने को तैयार नहीं हैं, इसीलिए वे दूसरों का अपमान करते रहते हैं। ऐसे लोगों के साथ बातचीत में उनका खोखलापन जानकर भी तब हम नाराज नहीं होंगे और उनकी बातों से अपमानित नहीं होंगे बल्कि ऐसे लोगों की सीमाएं समझ सकेंगे और उन्हें बर्दाश्त कर सकेंगे। यह हमारा चौथा सबक होगा। यदि हम अपने जीवन का एक दिन जेल में गुजारें तो पायेंगे कि अपराधी माना जाने वाला हर व्यक्ति आरंभ से ही अपराधी नहीं था। उसे किसी के अपमान, अनुचित व्यवहार, अन्याय या फिर उसके हालात ने उसे अपराधी बनने पर विवश कर दिया। तब हमें समझ में आता है कि शायद हर अपराधी वास्तव में किसी अन्याय का शिकार रहा है, तब हम शायद उनकी विवशताओं को बेहतर समझ पाते हैं, तब हममें उनके प्रति दया उमडने लगती है और हम उन्हें माफ करना सीख सकते हैं। यह हमारा पांचवां सबक है। इसी तरह यदि एक पूरा दिन हम बिल्कुल अकेले गुजारें तो हम पूरी तरह से प्राकृतिक जीवन जिएंगे, तब हम कोई दिखावा नहीं कर रहे होंगे और उस तरह से जीवन जिएंगे, जैसे हम वस्तुत- हैं। जब कोई हमारे साथ होता है तो हम उसे प्रभावित करना चाहते हैं, उसे अपना ज्ञान दिखाना चाहते हैं, शक्ति दिखाना चाहते हैं, या अच्छाई दिखाना चाहते हैं। लेकिन जब कोई अन्य हमारे साथ न हो तो किसी भी दिखावे की आवश्यकता ही नहीं रहती।

तब हम नन्हे बच्चे की तरह हो जाते हैं जो पूरी तरह से प्राकृतिक जीवन जीता है और कोई दिखावा नहीं करता। जब हम दूसरों के बीच रहते हुए भी प्राकृतिक जीवन जीते हैं, जो हम हैं, जैसे हम हैं, वैसा ही व्यवहार करते हैं तो हमारा अहंकार आड़े नहीं आता। अहंकार से पार पाने का यह सबसे प्रभावी उपाय है। नन्हे बच्चों के स्कूल से धीरज, किसान के खलिहान से भोजन और पर्यावरण का सम्मान, अस्पताल से स्वास्थ्य का महत्त्व, मानसिक अस्पताल से अपमान सहने की क्षमता और कारागार में सजा भुगत रहे अपराधियों से दया की भावना और माफ कर देने की क्षमता का विकास होगा। इसी तरह यदि हम दिखावा न करके प्राकृतिक जीवन जीते हैं तो 'मैं भी कुछ हूं' को साबित करने के लिए कुछ कहने या करने की आवश्यकता नहीं रहती। इन छह महत्त्वपूर्ण दिनों से हमारा जीवन बदल सकता है, हम अपनी गलतियों से और अपने अहंकार से पार पा सकते हैं और नाकामियों से बच सकते हैं। तब हमें क्रोध नहीं आयेगा, अहंकार नहीं होगा, झूठा मोह नहीं होगा, किसी को अपमानित करने अथवा छोटा साबित करने की आवश्यकता नहीं होगी और हम एक स्वस्थ, मंगलकारी और परिपूर्ण जीवन जी सकेंगे। आज हमें इसी की आवश्यकता है और इसी की चाहत है।

जरनैल सिंह

लोकतंत्र का कोई भी एक स्तंभ कमजोर होगा, तो लोकतंत्र सही तरीके से कार्य नहीं करेगा : निर्मला चौधरी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांचवें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की चेयरपर्सन डॉ निर्मला चौधरी ने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया से कंपटीशन करना बड़ा चैलेंजिंग है। इसके बावजूद गजब हरियाणा समाचार पत्र लगातार अपने क्षेत्र में कार्य कर रहा है। आज के समय में गृहस्थी के साथ-साथ समाज के लिए कार्य करना बड़ा मुश्किल काम होता है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। विधान पालिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व मीडिया में से जब लोकतंत्र का कोई भी एक स्तंभ कमजोर होगा, तो लोकतंत्र सही तरीके से कार्य नहीं करेगा। जैसे गजब हरियाणा समाचार पत्र पर लिखा हुआ है % सच्ची व सटीक खबर अखबार लोगों की आवाज है, जो लोग अपनी आवाज सरकार व प्रशासन तक पहुंचा नहीं सकते थे, वे समाचार पत्र के माध्यम से अपनी समस्याएं व सुझाव सरकार तक पहुंचाते हैं। अपनी आवाज के माध्यम के अनुरूप अखबार को चुनते हैं। जितनी अधिक पत्रकारिता मजबूत होगी लोगों में इसके प्रति उतना ही अधिक विश्वास बढ़ेगा।

शिक्षा एक ऐसा साधान, जिसके माध्यम से हम समाज में ला सकते हैं क्रांतिः सुनीता बंगोत्रा

जम्मू के माता सावित्री भाई फुले मॉडर्न स्कूल के संचालक सुनीता बंगोत्रा ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा साधन है, जिसके माध्यम से हम समाज में क्रांति ला सकते हैं। वह गजब हरियाणा समाचार पत्र के लिए आशा करती हैं कि यह जल्द ही दैनिक गजब हरियाणा बने। हम अलग-अलग राज्यों में जाकर वहां के लोगों की तरक्की का अध्ययन करें और जितना हो सके अपने क्षेत्र में भी सुधार लाने का प्रयास करें।

खत्म होने की बजाए चरम पर जातिवाद : रजत कलसन

एडवोकेट रजत कलसन ने कहा कि आज के दौर में पिछले 8 -10 सालों में जब पत्रकारिता जैसी चीज पर प्रश्नचिंह लगना शुरु हो गए उस दौर में जब पत्रकारिता विशेष जाती धर्म की चापलूसी करती नजर आ रही है। उस समय में कमजोर समाज की खबरों को लोगों की आवाज को निष्पक्ष तरीके से अपने सवाल समाचार पत्र के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे, यह बहुत हिम्मत का काम है। बहुत से लोग शुरुआत करते हैं, लेकिन जीता वही है जो अंत तक हार नहीं मानता। ऐसे में वह गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा एवं उनकी टीम को 5 वर्ष पूरे होने की हार्दिक बधाई देते हैं। आप लोग अक्सर अखबारों में पढ़ते हो कि किसी गांव में दलित समाज के व्यक्ति का कत्ल कर दिया गया है। किसी गांव में ऐसी समाज के लोगों का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया है। लेकिन कुछ लोग होते हैं जो उनकी आवाज उठाते हैं। चाहे वह समाचार पत्र के माध्यम से हो या कोई और माध्यम से। आज संविधान को लागू हुए करीब 74 साल हो गए हैं। हमारे पास सविधान है एससी/एसटी कमीशन है, परंतु फिर भी जातिवाद खत्म होने की बजाए चर्म पर है।

समारोह में मुख्य अतिथि के अलावा इन अतिथियों ने भी रखे अपने विचार एडवोकेट सुमन फुले, बाबूराम तुषार, मनोज पंवार, जिले सिंह सभरवाल एडवोकेट आदि ने भी संबोधित कर अपने अपने विचार रखे। स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में माननीय एन.आर फुले डिप्टी कमिश्नर(जीएसटी)ने शिरकत की। इसके अलावा चेयरमैन के रुप में डॉ. आर आर फुलिया हरियाणा सरकार में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, सेवानिवृत आईएएस और दो यूनिवर्सिटी में पूर्व वाइस चांसलर, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ एडवोकेट रहे। विशिष्ठ अतिथि के रुप में रघुबीर सिंह सीनियर सेक्शन इंजीनियर उत्तर रेलवे, एडवोकेट रजत कलसन, माता सावित्री बाई मॉडर्न स्कूल जम्मू की संचालक सुनीता बंगोत्रा, डॉ निर्मला चौधरी चेयरमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र, एडवोकेट सुमन फुले रहे।

गजब हरियाणा परिवार

1. डॉ. राजरुप फुलिया,हरियाणा सरकार में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, सेवानिवृत्त आईएएस और गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार/ताऊ देवीलाल यूनिवर्सिटी सिरसा के वाइस चांसलर रहे।
2. मान्यवर एन.आर फुले, डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी), आबकारी एवं कराधान विभाग।
3. जरनैल सिंह रंगा,संयोजक गजब हरियाणा परिवार और संपादक, गजब हरियाणा समाचार पत्र।
4. मान्यवर बी.के. भास्कर , मुख्य शाखा प्रबंधक,पीएनबी(सेवानिवृत)।
5. एडवोकेट जिले सिंह सभरवाल,पूर्व बैंक अधिकारी।
6. एडवोकेट बनारसी दास,पूर्व शाखा प्रबंधक(एस.बी.आई)।
7. मान्यवर रघुबीर सिंह, सीनियर सेक्शन इंजीनियर उत्तर रेलवे।
8. गुरदयाल सिंह, सेवानिवृत एडीओ एंव संस्थापक, कुरुक्षेत्र दर्शन।
9. पवन लोहारा, ईगल प्रॉपर्टी एडवाइजर।
10. गुलाब अली, समाज सेवी, जी.एस टूर × ट्रैवल्स, पिपली।

इन्हें मिला मुख्य सम्मान -2023

सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान
डॉ.कृपा राम पुनिया, पूर्व उद्योग मंत्री एवं से.नि.आईएएस।

हरियाणा रतन
डॉ. राजरुप फुलिया, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा, सेवानिवृत्त आईएएस और दो यूनिवर्सिटीयों वाइस चांसलर रहे।

हरियाणा गौरव सम्मान
मान्यवर एन.आर फुले, डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी), आबकारी एवं कराधान विभाग झज्जर।

संत शिरोमणी गुरु रविदास सम्मान
श्री 108 संत निर्मल दास, गद्दीनशीन डेरा बाबा लालदास कपाल मोचन,यमुनानगर।

सतगुरु कबीर साहेब सम्मान
श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ एडवोकेट,खतौली, अम्बाला।

सामाजिक उत्कृष्टता सम्मान
सुभाष चन्द डीएसपी मुख्यालय, कुरुक्षेत्र।

जर्नलिज्म स्पेशल अचीवमेंट अवॉर्ड
मान्यवर बलवान सिंह, संपादक,दैनिक स्टार सवेरा एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष, ऑल इंडिया एससी/एसटी संपादक एसोसिएशन दिल्ली।

पत्रकार प्रेरणा सम्मान
डॉ. नरेन्द्र सिंह जिला सूचना, भाषा एवं जनसंपर्क अधिकारी, कुरुक्षेत्र।

हरियाणा आदर्श शिक्षक सम्मान
डॉ रणजीत सिंह फुलिया, पूर्व यातायात सहायक भारतीय एयरलाइंस, पूर्व कार्यकारी, नेशनल बीमा कंपनी।

तथागत गौतम बुद्ध समता सम्मान
डॉ सुभाष सैनी, प्रो. हिंदी विभाग के.यू.के।

वीरांगना झलकारी बाई सम्मान
डॉ निर्मला चौधरी, चेयरपर्सन,स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के.यू.के।

महात्मा ज्योतिबा फुले सम्मान
मान्यवर रामेश्वर सैनी, प्रदेशाध्यक्ष सर्व समाज कल्याण सेवा समिति।

माता सावित्री बाई फुले सम्मान
सुनीता बंगोत्रा, माता सावित्री बाई फुले मॉडर्न स्कूल,जम्मू।

डॉ बी आर अम्बेडकर सामाजिक क्रांति सम्मान
एडवोकेट रजत कलसन।

विशेष समाजसेवा सम्मान
मान्यवर चंद्र शेखर , चार्टिड अकाउंटेंट।

हरियाणा आदर्श पत्रकार सम्मान
बाबूराम तुषार वरिष्ठ पत्रकार व अध्यक्ष मीडिया वेलफेयर क्लब,कुरुक्षेत्र।

स्पेशल बिजनेस अचीवमेंट अवॉर्ड
गुलाब अली,समाजसेवी।

डॉ अंबेडकर शिक्षा सम्मान
बदलाव सोशल सोसायटी,कैथल।

डॉ अंबेडकर सेवा सम्मान
बहुजन समाज वेलफेयर एसोसिएशन, कैथल।

इन्हें मिला विशेष समाजसेवा सम्मान
सूरजभान नरवाल,प्रधान,श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा,कुरुक्षेत्र।
एडवोकेट सुमन फुले
बनारसी दास पूर्व बैंक अधिकारी।
गुरदयाल सिंह , संस्थापक, कुरुक्षेत्रा दर्शन।

शिक्षा उत्कृष्टता सम्मान
1. डॉ सिमरन (बीएएमएस)
2.धीरज सोलखे, आई.आई.आई.टी, मुंबई,कंप्यूटर साइंस।
3. ज्योति, निगदू, सीबीएससी,दसवीं,राज्य ने तीसरा और करनाल जिला में प्रथम स्थान।

बराड़ा में बना संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी चौक

गुरु रविदास जी ने दिया समानता और भाईचारे का संदेश : राजबीर बराडा

गजब हरियाणा/ पूर्ण सिंह

बराड़ा। बराड़ा-दोसड़का मार्ग स्थित बंसल पैलेस के पास आज श्री गुरु रविदास नगर कीर्तन वेलफेयर सोसायटी (रजि.) के तत्वावधान में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी चौक बनाया गया है।

चौक के उद्घाटन के अवसर पर पूर्व विधायक एंव भाजपा कर्यकारिणी सदस्य राजबीर सिंह बराडा पहुंचे और गुरु रविदास जी के जयघोष साथ उपस्थित लोगों ने गुरु रविदास जी चौक के नामकरण वाला बोर्ड लगाया। राजबीर बराड़ा ने कहा कि गुरु रविदास जी ने अपनी वाणी में समानता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत महापुरुष सभी के सांझे होते हैं और सबको समान रूप से उनका सम्मान करना चाहिए। लोगों की काफी समय से मांग थी की बराडा क्षेत्र में गुरु रविदास जी के नाम पर चौक बनाया जाये। भीम आर्मी के प्रदेशाध्यक्ष कमल कुमार बराडा ने कहा कि बराडा में गुरु रविदास जी चौक के निर्माण के लिए प्रशासन से पहले ही मांग की जा चुकी थी।

इस संबंध में बराड़ा के एसडीएम को लिखित में मांगपत्र भी दिया गया था। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद ही यहां पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी के नाम का चौक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चौकों का नामकरण संतों-महापुरुषों के नाम पर होना चाहिए ताकि लोगों को उनसे प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर श्री गुरु रविदास नगरकीर्तन वेलफयेर सोसायटी के पदाधिकारी एवं पूर्व पार्षद शमशेर सिंह, दलीप पेंटर, भानु नाफरे, मास्टर लहरी सिंह, रमन बराड़ा, समाजसेवी पूर्ण सिंह नाहरा, मोनू, नरेश बराड़ा, नविल, बलजीत सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

आभार

गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांचवें स्थापना दिवस पर

जरनैल सिंह रंगा

विशेषांक निकालने में सहयोग करने वाले विज्ञापनदाताओं का आभार और उम्मीद करता हूं कि हमें आपका सहयोग हमेशा मिलता रहेगा। गजब हरियाणा समाचार पत्र के पिछले पांच वर्ष बहुत संघर्षपूर्ण रहे। और उन बीते वर्षो को आप सभी के साथ से सफलतापूर्वक पार कर लिया है।

कार्यालयः सामने बस अड्डा, पिपली (कुरुक्षेत्र)
सब-ऑफिस, गुरुद्वारा, मार्कीट, करनाल रोड, इंद्री (करनाल)
गजब हरियाणा से जुड़ने के लिए संपर्क करें :-
मो. 91382-03233, 99916-10843
अधिक जानकारी के लिए देखें हमारीः
वेबसाइटः www.gajabharyana.com
फेसबुक : @gajabharyananews
ट्विटर : @gajabharyana
इंस्टाग्रामः @gajabharyana
ब्लॉगर : gajabharyananews.com
यूट्यूब : gajabharyananews

नोट : गजब हरियाणा में समाचार व विज्ञापन देने के लिए हरियाणा के समस्त जिलों के ब्यूरो चीफ/पत्रकारों व हमारे प्रतिनिधियों से भी संपर्क कर सकते हैं।

इन्हें मिला विशेष समाजसेवा सम्मान

धर्म सिंह भुक्कल,सिनियर डिविजनल अकाउंट ऑफिसर (सेवानिवृत)
* सुखदर्शन रंगा, डीआरओ (सेवानिवृत)
* बी.के भास्कर, मुख्य शाखा प्रबंधक(सेवा निवृत)।
* जिले सिंह सभरवाल, बैंक अधिकारी(सेवा निवृत)।
* शेर सिंह,प्रदेश अध्यक्ष, ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन,हरियाणा।
* रूबल शर्मा मथाना, समाजसेवी
* महिपाल फुले अमीन
* धर्मपाल मथाना, पूर्व जिला महासचिव एवं जिला सचिव , पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन, पिपली, कुरुक्षेत्र।
* एडवोकेट कुलवंत सिंह।
* जे पी गुप्ता, घरौंडा।
* रामकुमार,पूर्व पुलिस अधिकारी।
* पवन लोहारा,समाजसेवी।
* सुनील दत्त समाजसेवी,बजीदपुर ।
* वीरेन्द्र रॉय,समाजसेवी,बजीदपुर।
* रीटा सोलखे,प्रचारक, अमृतवाणी गुरु रविदास जी महाराज।
* जोगिंद्रो देवी, सदस्य, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा,कुरुक्षेत्र।
* सतपाल गाजीपुर,अम्बाला।
* सुदर्शन कुमार,रादौर,यमुनानगर।

पांच वर्ष के दौरान मिला सभी शुभचिंतकों का साथ व सहयोग : रंगा

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र। गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। और उन्होंने गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांच साल के कार्यकाल की जानकारी से रूबरू कराया। और उन पांच सालों में उन्हें किन किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा उससे अवगत कराया। जरनैल रंगा ने कहा की गजब हरियाणा समाचार पत्र दैनिक समाचार पत्र की ओर अग्रसर है जो जल्द ही दैनिक समाचार के रूप में आप सबके सामने होगा। उन्होंने बताया की गजब हरियाणा समाचार पत्र की सहयोगी संस्था सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट समाचार पत्र के स्थापना दिवस पर समाजसेवी संस्थाओं व समाज में सेवा कार्य करने पर सामाजिक प्रतिष्ठा,हरियाणा रतन ,हरियाणा गौरव, हरियाणा आदर्श शिक्षक,तथागत बुद्ध समता, महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्री बाई फुले, डॉ भीम राव अंबेडकर शिक्षा एवं सेवा, पत्रकारिता, शिक्षा, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मान देकर सम्मानित करते हैं।

उन्होंने कहा पिछले पांच वर्ष के दौरान सभी शुभचिंतकों का साथ व सहयोग मिला है। और आशा करता हूं की इसी प्रकार आगे भी मिलता रहेगा।

भंडारे जैसे आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है और लोगों की भूख भी मिटाई जाती है : संदीप गर्ग

महाराजा अग्रसेन चौंक के नजदीक के दुकानदारों ने किया कड़ी चावल के भंडारे का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/मानव गर्ग

लाडवा। लाडवा के महाराजा अग्रसेन चौंक के नजदीक के दुकानदारों द्वारा गुरूवार दोपहर इंद्र देवता को प्रसन्न करने के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें क?ी चावल का प्रसाद वितरित किया। भंडारे में मुख्यातिथि के रूप में स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने शिरकत की। दुकानदार हैप्पी जिंदल ने बताया कि इस समय भयंकर गर्मी पड़ रही है। जिसको देखते हुए महाराजा अग्रसेन चौक के नजदीक के कुछ दुकानदारों ने आपसी सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया। जिसकी शुरूआत समाजसेवी संदीप गर्ग ने साई बाबा का भोग

लगाकर करवाई। वहीं मौके पर पहुंचे समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि दुकानदारों द्वारा जो यह नेक कार्य किया गया जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने इंद्र देवता से प्रार्थना करते हुए कहा कि वह अपनी कृपा सभी पर बनाए रखें, क्योंकि इस समय धान की रोपाई का समय चल रहा है और किसानों को महंगे दामों पर बिजली इस्तेमाल कर धान की फसल लगाने पड़ रही है। यदि तेज बरसात होती है तो उसे न केवल किसानों को लाभ मिलेगा। इसके साथ-साथ आमजन को भी गर्मी से राहत मिलेगी। मौके पर संदीप जिंदल, नरेश गर्ग, संदीप गोयल, डिम्पल गुम्बर, श्यामलाल, आयुष गोयल, रॉकी, सुखविन्द्र सिंह, सन्टी, अमित बंसल, राजेश गुप्ता, मनीष गोयल, संजय, संदीप गोपचा, सन्नी धवन, दीपक मैहता, सुमित, राकेश सोनी, डा. मनोज गर्ग, देवीचंद, कमल वर्मा, लवली, वेदपाल, अमित कंसल, विजय गोयल, धर्मवीर, राम प्रसाद व चरण सिंह सैनी सहित अनेक दुकानदारों ने भंडारे में सेवाएं दी।

शक्ति

रामकृष्ण के पास एक आदमी आया। रामकृष्ण से कहा कि तुमको लोग परमहंस कहते हैं, अगर असली परमहंस हो तो आओ मेरे साथ, गंगा पर चल कर दिखाओ! रामकृष्ण ने कहा कि नहीं भाई, मैं पानी पर नहीं चल सकता। अगर परमात्मा ने मुझे पानी पर चलने के लिए बनाया होता, तो मछलियों जैसा बनाया होता। उसने जमीन पर चलने के लिए बनाया। उसके इरादे के विपरीत मैं नहीं जा सकता। मगर मैं तुमसे एक सवाल पूछता हूं कि कितना समय लगा तुम्हें पानी पर चलने की यह कला सीखने में?

उसने कहा, अठारह साल तपश्चर्या की है! कठिन तपश्चर्या की है! खड्ग की धार पर चला हूं। तब कहीं यह शक्ति हाथ लगी है, यह कोई यूं ही हाथ नहीं लग जाती।

रामकृष्ण कहने लगे, अठारह साल तुमने व्यर्थ गंवाए। मुझे तो जब भी गंगा के उस तरफ जाना होता है तो दो पैसे में मांझी मुझे पार करवा देता है। तो अठारह साल में तुमने जो कमाया उसकी कीमत दो पैसे से ज्यादा नहीं है।

शक्ति की जरूरत क्या है? शक्ति की आकांक्षा मूलतः अहंकार की आकांक्षा है। क्या करोगे शक्ति का? लेकिन तप करने वाले लोग इसी आशा में कर रहे हैं तप। सिर के बल खड़े हैं, चारों तरफ आग जला रखी है, नंगे खड़े हैं, भूखे खड़े हैं इसी आशा में कि किसी तरह शक्ति को पा लेंगे। मगर शक्ति किसलिए? शक्ति तो पोषण है अहंकार का। कोई धन पाने में लगा है, वह भी शक्ति की खोज कर रहा है। और कोई राजनीति में उतरा हुआ है, वह भी पद की खोज कर रहा है, पद शक्ति लाता है। और कोई तपश्चर्या कर रहा है, मगर इरादे वही। इरादों में कोई भेद नहीं।

तुम्हारे धार्मिक, अधार्मिक लोग बिलकुल एक ही तरह के हैं। चाहे दिल्ली चलो, यह उनका नारा हो; और चाहे गोलोक चलो; मगर दोनों की खोपड़ी में एक ही गोबर भरा हैशक्ति चाहिए। क्यों? क्या करोगे शक्ति का चमत्कार दिखलाने हैं!

राम नाम जान्यो नहीं-(प्रवचन-03)

होनहार छात्रों का सम्मान समारोह 2 जुलाई को

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । डॉ राजरूप फुलिया अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा एवं आईएएस द्वारा 2 जुलाई को दसवीं,बारहवीं के करीब 4 सौ होनहार छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समारोह रविवार को गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। बता दें गत वर्ष प्रदेश भर के करीब 5 सौ होनहार छात्रों को सम्मानित किया था जो दसवीं, बाहरवी में अव्वल रहे। जिसमे हरियाणा शिक्षा विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ महावीर सिंह ने छात्रों को सम्मानित किया था।

ऐसी अमीरी किस काम की

एक बार एक चूहे ने हीरा निगल लिया और उस हीरे के मालिक ने उस चूहे को देख लिया और उसे मारने के लिये एक शिकारी को ठेका दे दिया। जब शिकारी चूहे को मारने पहुँचा तो वहाँ बहुत सारे चूहे झुण्ड बनाकर एक दूसरे पर चढ़े हुए थे,

मगर उन सब में एक चूहा सबसे अलग बैठा था। शिकारी ने सीधा उस चूहे को पकड़ा और उस हीरे के मालिक के पास पंहुचा। उस हीरे के मालिक ने शिकारी से पूछा, उतने सारे चूहों में से इसी चूहे ने मेरा हीरा निगला है यह तुम्हें केसे पता लगा?

शिकारी ने जवाब दिया- सेठ जी ये तो बहुत ही आसान था, जब कोई मूर्ख धनवान बन जाता है तो वो अपनों से भी मेल-मिलाप छोड़ देता है।

शिक्षा

दुनिया में ऐसे बहुत से लोग होते हैं जो थोड़ा सा पैसा कमा लेने के बाद खुद को दूसरों से बहुत बढ़ा समझने लगते हैं और अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से भी दूरी बना लेते हैं और ये समझने लगते हैं की जिंदगी में ये पैसा ही उनके काम आएगा और कोई नहीं। इस दुनिया में अमीर तो हर कोई बनना चाहता है पर सही मायनो में अमीर वही होता है जो हर किसी को साथ लेकर चलता है। जिसे अपनी अमीरी पर घमंड नहीं बल्कि अपने रिश्तों पर भरोसा होता है।

श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर बुलंदशहर में वार्षिक संत समागम 1 जुलाई को

गजब हरियाणा न्यूज/पूर्ण सिंह

अम्बाला। उत्तर प्रदेश के जिला बुलंदशहर स्थित श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर में वार्षिक संत समागम धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा के साथ दो दिवसीय भंडारे का भी आयोजन होगा। श्री गुरु रविदास आश्रम रंगपुर के संचालक एवं संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन स्वामी वीर सिंह हितकारी जी महाराज ने बताया कि हर वर्ष आश्रम में यह कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक एवं बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि शनिवार 1 जुलाई को सुबह पांच बजे श्री गुरु रविदास अमृतवाणी पाठ प्रारंभ होगा। सुबह 10 बजे अटूट भंडारा और सांय 4 बजे गुरु रविदास जी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। सांय सात बजे संध्या आरती होगी और रात 8 बजे सत्संग होगा। रविवार 2 जुलाई को सुबह आरती एवं अरदास के साथ भंडारा होगा। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से संत पहुंचकर संगत को अपने आशीर्वचन देंगे। उन्होंने संगत से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गुरघर की खुशियां प्राप्त करने की अपील की है।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जिओ की।

जय गुरुदेव जी

माधवे किआ कहिऐ भ्रमु ऐसा।। जैसा मानीऐ होई न तैसा ।। रहाउ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि हे प्रभु जी ! क्या कहें जीव भ्रम के कारण इस संसार को सच मानता है पर जैसा यह जीव इस संसार को सच समझकर मानता है यह संसार वैसा नहीं है भाव यह कि संसार असत्य है ।

धन गुरुदेव जी

निजी वाहन पर आर्मी, पुलिस, वीआईपी लिखवाना पड़ेगा भारीः एसपी रंधावा

अम्बाला(गजब हरियाणा/ पूर्ण सिंह)। एसपी जशनदीप सिहँ रंधावा ने जिले के सभी थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी को निर्देश जारी किए है कि जो लोग निजी वाहनों पर पुलिस, आर्मी, वीवीआईपी लिखवाकर नियमों का उल्लघंन कर रहे है उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। एसपी का कहना है कि यह एक गम्भीर मामला है। लोगों की जान की रक्षा के लिए यह आदेश जारी किया गया है कि ऐसे स्टीकर वाहनों पर ना लगाएँ।

डॉ. फुलिया ने बेटी कशिश व इषिता को किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र। मंगलवार को डॉ राजरूप फूलिया सेवानिवृत अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा एवं आईएएस ने पिहोवा की बेटी कशिश को मिठाई खिलाकर बधाई दी। जिन्होंने हरियाणा शिक्षा बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में 491 अंक लेकर जिला में प्रथम स्थान हासिल किया। कशिश एक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटी हैं। चार भाई बहनों में कशिश बड़ी है।

कुरुक्षेत्र जिला के गांव ज्योतिसर की बेटी इषिता ने हरियाणा शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा में 483 अंक लेकर गांव का नाम रोशन किया। इषिता 483 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही। जिसे डॉ राजरूप फूलिया सेवानिवृत अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा एवं आईएएस ने बेटी इषिता को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया और बुक्का देकर बधाई दी।

बुजूर्ग अमरनाथ अपने पोते सुमेर सिंह को जगह-जगह कर रहा तलाश

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

इंद्री। जिंदगी में उम्र के जिस पड़ाव पर व्यक्ति को घर में आराम करना चाहिए वहीं जिला करनाल के उपमंडल इन्द्री के गांव खेड़ी जाटान निवासी बुजुर्ग अमरनाथ सिंह अपने लातपा पोते सुमेर सिंह को दो सप्ताह से जगह-जगह ढूंढ़ता फिर रहा है। दो जून को पोते के अचानक गायब होने के बाद से ही उसकी तलाश में बुजुर्ग दादा रोज घर से निकल पड़ता है।

जानकारी अनुसार खेड़ी जाटान गांव का रहने वाला लापता छात्र सुमेर सिंह इंद्री-करनाल रोड स्थित रंबा के एक कॉलेज में पढ़ता है और दो जून को घर से कॉलेज के लिए निकला था लेकिन वापिस घर नहीं लौटा। लड़के के नहीं मिलने पर परिजनों के आंसू नहीं थम रहे हैं। पोते का जिक्र कर दादा के भी आंसू छलक पड़ते हैं।

सुमेर सिंह, लापता युवक

दादा अमरनाथ का कहना है कि पोता सुमेर सिंह दो जून को घर से कॉलेज के लिए निकला था, घर वापिस नहीं लौटने पर कॉलेज में भी पता किया लेकिन कुछ सुराग नहीं लग पाया। उन्होंने बताया कि कई साल पहले उनके पुत्र एवं पुत्रवधु का अचानक देहांत हो गया था और तभी से दोनों पोते उनके एवं अन्य स्वजनों के पास रह रहे हैं और अब अचानक एक पोते के गायब होने पर वे बड़े परेशान हैं।

गुमशुदा की तलाश

लापता लड़के का नाम : सुमेर सिंह
जन्म तिथि: 02.03. 2002
दादा का नाम: अमरनाथ
निवासी: गांव खेड़ी जाटान, डाकखाना-भादसो,तहसील-इन्द्री, जिला-करनाल (हरियाणा)
संपर्क नंबर-9416570970
नोट: यदि लापता युवक के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो कृपा उपरोक्त मो. नंबर पर संपर्क करें या पुलिस को सूचित करें।

विशेष समाजसेवा सम्मान

*** धर्म सिंह भुक्कल,सिनियर डिविजनल अकाउंट ऑफिसर (सेवानिवृत)**
*** सुखदर्शन रंगा, डीआरओ (सेवानिवृत)**
*** बी.के भास्कर, मुख्य शाखा प्रबंधक(सेवा निवृत)।**
*** जिले सिंह सभरवाल, बैंक अधिकारी(सेवा निवृत)।**
***शेर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन, हरियाणा।**
*** रुबल शर्मा मथाना, समाजसेवी**
*** महिपाल फुले अमीन**
*** धर्मपाल मथाना, पूर्व जिला महासचिव एवं जिला सचिव , पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन, पिपली, कुरुक्षेत्र।**
*** एडवोकेट कुलवंत सिंह।**
*** जे पी गुप्ता, घरौंडा।**
*** रामकुमार,पूर्व पुलिस अधिकारी।**
*** पवन लोहारा, समाजसेवी।**
*** सुनील दत्त समाजसेवी,बजीदपुर।**
*** वीरेन्द्र रॉय, समाजसेवी,बजीदपुर।**
*** रीटा सोलखे, प्रचारक, अमृतवाणी गुरु रविदास जी महाराज।**
*** जोगिंद्रो देवी, सदस्य, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा,कुरुक्षेत्र।**
*** सतपाल गाजीपुर,अम्बाला।**
*** सुदर्शन कुमार,रादौर,यमुनानगर।**

गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांचवें स्थापना दिवस समारोह की झलकियां

गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांचवें स्थापना दिवस पर सम्मान समारोह

रणजीत फुलिया

गुलाब अली

रामेश्वर सैनी

चंद्रशेखर

एडवोकेट सुमन फूले

बदलाव सोशल सोसायटी

रोहताश मेहरा बसवा

सूरजभान नरवाल

रघुबीर सिंह

संजीव बंसल

संसार सिंह

बनारसी दास

गुरदयाल सिंह

डॉ सिमरन

धीरज सोलखे

ज्योति

धर्म सिंह बुक्कल

बीके भास्कर

जिले सिंह सभ्रवाल

रूबल शर्मा

महिपाल फूले

प्रवीण बोद्र

एमआर सरोहा

डॉ.मनोज दहिया

सतगुरु रविदास रिसर्च एवं चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ मनोज दहिया,विश्व के पहले व्यक्ति हैं। जिन्होंने गुरु रविदास जी महाराज पर पीएचडी की है।

रीटा सोलखे

पवन लोहारा

जेंपी गुप्ता

जगमाल जजपा प्रदेश उपाध्यक्ष

सुनील दत

वीरेन्द्र राय

सुदर्शन कुमार सदूरा

राकेश कुमार शाहपुर

एमआर सरोहा

प्रिंसीपल जगदीश चन्द्र

सतपाल गाजीपुर

गजब हरियाणा के पांचवें स्थापना दिवस कार्यक्रम में इन पत्रकारों को किया गया सम्मानित

पत्रकार सुखबीर यमुनानगर

पत्रकार पूर्ण सिंह बराड़ा (अम्बाला)

पत्रकार अमित बंसल

पत्रकार रविन्द्र कुमार

पत्रकार शोभा अम्बाला

पत्रकार सिमरन साहा

पत्रकार तेजबीर मेहरा

पत्रकार भरत बैनीवाल यमुनानगर

पत्रकार मानव गर्ग

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसेन चौक, मोहन नगर, कार्यालय गजब हरियाणा कोठी न0 890 पी, सैक्टर -4, अर्बन एस्टेट कुरुक्षेत्र, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया।
सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233) Registration Number : HAR/HIN/2018/77311

पत्रकार सिमरन